अध्याय 7

पवित्र आत्मा

यीशु के चेले जानते थे कि वह उनसे दूर जा रहा था। वह उनसे ऐसा कह चुका था। सर्वप्रथम उन्हें यह बात ठीक मालूम नहीं पड़ी और घबरा गये। यीशु उनसे प्रेम करता था; वे यीशु के साथ तीन वर्ष तक चला फिरा करते थे। वे उसके बिना कैसे रह सकते थे?

यीशु उनके दिल की बात समझ गया और उन्हें आश्वासन दिया कि पिता के पास उसका स्वर्ग में जाना उनके लिये भला है। उसका पिता पवित्र आत्मा भेजने पर था (त्रिएकता का एक भाग जिसका अध्ययन हमने पाठ नं. २ में किया है) और वह अकेले नहीं रहते।

पवित्र आत्मा का अनुभव किसी एक देश के लिये, अथवा एक विशेष जाति के अगुवों के लिये नहीं था — परन्तु पूरी पृथ्वी के लोगों के लिए था पिन्तेकुस्त के दिन पतरस ने एक बड़ी भीड़ को प्रचार किया जिनमें पन्द्रह विभिन्न भाषा बोलने वाले लोग सम्मिलित थे। प्रेरितों के काम २:१६-१७ हमें बताती है : यह वह बात है, जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई है : कि परमेश्वर कहता है, कि अन्त के दिनों में ऐसा होगा, कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उंड़ेलूंगा और तुम्हारे बेटे और तुम्हारी बेटियां भविष्यद्वाणी करेंगी और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे और तुम्हारे पुरनिये स्वप्न देखेंगे।

पाठ ६ में हमने उद्धार के विषय में अध्ययन किया है। क्या आप जानते थे कि हमें पवित्र आत्मा के कार्य के द्वारा उद्धार की प्राप्ति होती है? आइये हम पवित्र आत्मा और हमारे जीवन में उसके कार्य के विषय में अध्ययन करें।

इस पाठ में आप अध्ययन करेंगे....

पवित्र आत्मा का व्यक्तित्व।
पवित्र आत्मा का कार्य।

यह पाठ आपकी सहायता करेगा कि आप....

- पवित्र आत्मा के व्यक्तित्व का वर्णन कर सकें।
- उद्धार के प्रति पवित्र आत्मा के कार्य की व्याख्या कर सकें।
- अपने जीवन में पवित्र आत्मा के कार्य को समझ सकें।

पवित्र आत्मा का व्यक्तित्व

उद्देश्य १. पवित्र आत्मा कौन है इसका वर्णन करें और कम से कम उसके पांच गुणों को दर्शाएं।

पवित्र आत्मा परमेश्वर है। वह त्रिएक परमेश्वर में निहित तीसरा व्यक्ति है जो पवित्र त्रिएकता कहलाता है। पिता और पुत्र के समान इसके भी कई नाम हैं। कुछ है पवित्र आत्मा, परमेश्वर की आत्मा, सत्य की आत्मा, सहायक! मत्ती २८:१९ में तीनों व्यक्तियों के विषय में दर्शाया गया है। "इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।"

पवित्र आत्मा पिता परमेश्वर के समान है। वह अनन्त, सर्वशक्तिमान, सर्वज्ञानी और सर्वव्यापी है। वह पिता और पुत्र के साथ मिलकर कार्य करता है और सृष्टि के समय वह उनके साथ था। आइये हम कुछ पदों पर ध्यान दें जो हमें पवित्र आत्मा के विषय में बताते हैं।

"सनातन आत्मा के द्वारा उसने अपने आपको सिद्ध बलिदान के रूप में परमेश्वर को चढ़ाया" (इब्रानियों ९:१४)।

"आत्मा सब बातें वरन परमेश्वर की गूढ़ बातें भी जानता है" (१ कुरिन्थियों २:१०)।

"ईश्वर की आत्मा ने मुझे बनाया और सर्व शक्तिमान की सांस से मुझे जीवन मिलता है।" (अय्यूब ३३:४)।

पवित्र आत्मा ने भविष्यद्वक्ताओं को एवं महायाजकों को पुराने नियम के समय में प्रेरित किया। उसने पुरुषों एवं स्त्रियों की सहायता की, कि परमेश्वर की सेवा कर सकें। यूसुफ के विषय में जो के मिस्त्र देश में दास के रूप में बेचा गया था कहा गया था "हमें यूसुफ से अच्छा व्यक्ति नहीं मिल सकेगा। उसमें परमेश्वर की आत्मा निवास करती है।" (उत्पत्ति ४१:३८)

जो आपको करना है

१. पवित्र आत्मा .... त्रिएकता का .... व्यक्ति है वह .... एवं ....के साथ मिलकर काम करता है। और .... के समय से पृथ्वी पर रह रहा है।

२. धर्मशास्त्र के निम्न पदों को पढ़ें। इन पदों में दर्शाये गये पवित्र आत्मा के गुण या विशेषताओं को लिखें।

अ. रोमियों १५:३३ ....

ब. इब्रानियों १०:१५ ....

स. १ पतरस ४:१४ ....

ड. १ यूहन्ना ५:६ ....

इ. यूहन्ना १४:२६ ....

पवित्र आत्मा का कार्य

उद्देश्य २. बाइबल में दर्शाये गये पवित्र आत्मा के छः कार्यों को जानें।

पवित्र आत्मा हमारे उद्धार की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। वह हमें बताता है कि हमारे पाप कितने गन्दे है एवं यीशु को अपने उद्धारकर्त्ता के रूप में स्वीकार करने में हमारी सहायता करता है। वह हमारे जीवनों को बदल देता है। और जब वह आता है (पवित्र आत्मा) वह संसार के लोगों को पाप और धार्मिकता और न्याय के विषय में निरुत्तर करता है। (यूहन्ना १६:८)

"मैं तुमसे सच कह रहा हूं" यीशु ने उत्तर दिया, "परमेश्वर के राज्य में कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता जब तक कि वह जल और आत्मा से जन्म न ले ले। एक व्यक्ति शरीर में शारीरिक माता पिता के द्वारा जन्म लेता है परन्तु वह आत्मिक रूप में आत्मा के द्वारा जन्म लेता है।" (यूहन्ना ३:५-६)

पवित्र आत्मा प्रत्येक विश्वासी के अन्दर निवास करता है। जीवन परिवर्तन के समय वह हृदय में प्रवेश करता है। "आप को यह बताने के लिए कि आप उसके पुत्र है, परमेश्वर ने अपने पुत्र की आत्मा को हमारे हृदय में भेजा, आत्मा जो पुकारता है, पिता, मेरा पिता।" (गलातियों ४:६) रोमियों ८:९ आगे कहता है "जिस किसी में मसीह की आत्मा नहीं तो वह उसका जन नहीं।" यदि हम परमेश्वर के परिवार के हैं तो उसकी आत्मा हममें निवास करती है।

क्योंकि आत्मा जो परमेश्वर ने आपको दिया है आपको दास बनाने के लिए या डर उत्पन्न करने के लिए नहीं बल्कि परमेश्वर की सन्तान बनाने को दिया है, एवं आत्मा की सामर्थ के द्वारा हम परमेश्वर को पुकार कर कहते हैं "पिता! मेरे पिता!" (रोमियों ८:१५-१६)।

हमने पवित्र आत्मा के, हमारे जीवन में निवास करने के विषय में बातचीत की और हम पवित्र आत्मा के द्वारा भरे भी जा सकते हैं जो जीवन परिवर्तन के बाद का अनुभव है। बहुधा पवित्र आत्मा का बपतिस्मा कहलाता है सभी विश्वासी पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त नहीं करते परन्तु यह एक अनुभव है जिसे परमेश्वर चाहता है कि उसको सभी सन्तान प्राप्त करें।

> वह (यीशु) परमेश्वर अपने पिता के दाहिने हाथ उठा लिया गया एवं प्रतिज्ञा अनुसार पवित्र आत्मा प्राप्त किया। जो अब आप देखते और सुनते हैं वह उसका वरदान है जिसे हमारे ऊपर उंडेल दिया गया है (प्रेरितों के काम २:३३)।

पतरस ने उनसे कहा, "तुम में से प्रत्येक अपने पापों से मन फिराए एवं यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले ताकि तुम्हारे पाप क्षमा किये जायें

और तुम परमेश्वर का वरदान "पवित्र आत्मा" प्राप्त कर सको।" (प्रेरितों के काम २:३८)

पवित्र आत्मा हमारा सहायक है, वह हमें सिखाता, प्रेम और संगति देता, एवं सच्चाई की ओर हमारी अगुवाई करता है। उसके पास हमारे लिये फल हैं। जैसे आनन्द, शान्ति, धीरज, नम्रता एवं संयम (गलतियों ५:२२) और आत्मिक वरदान भी हैं जिनके द्वारा हम प्रभु की एवम् दूसरों की सेवा कर सकें (१ कुरिन्थियों १२:४-७)।

जो आपको करना है

३. निम्नलिखित सही कथनों के सामने के अक्षर पर वृत्त खींच दें।

अ. पवित्र आत्मा प्रत्येक विश्वासी में निवास करता है।

ब. पवित्र आत्मा उद्धार की ओर हमारी अगुवाई करता है।

स. जीवन परिवर्तन और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा एक ही है।

ड. पवित्र आत्मा हमें परमेश्वर की सन्तान घोषित करता है।

४. बाईं ओर धर्मशास्त्र के पदों को पढ़ें। प्रत्येक के सामने दाईं और दर्शाये गये पदों में पवित्र आत्मा के कार्य की संख्या लिखें।

...अ.	यशायाह ११:२	१)	सामर्थ देता है।
...ब.	यहेजकेल ३६:२७	२)	सिखाता है।
...स.	योएल २:२८	३)	सच्चाई प्रकट करता है।
...ड.	लूका १२:१२	४)	बुद्धि, ज्ञान एवं निपुणता प्रदान करता है।
...इ.	मीका ३:८	५)	भविष्यद्वाणियां स्वप्न एवं दर्शन देता है।
...फ.	यूहन्ना १६:१३	६)	परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करवाता है।

अपने उत्तरों की जांच करें

१. तीसरा।
त्रिएकता।
पिता।
पुत्र।
सृष्टि।

३. अ. सही
ब. सही
स. गलत
ड. सही

२. अ. सामर्थ
ब. गवाह
स. महिमायुक्त
ड. सच्चाई
इ. सहायक

४. अ. ४) बुद्धि, ज्ञान एवं निपुणता प्रदान करता है।
ब. ६) परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करवाता है।
स. ५) भविष्यद्वाणियां, स्वप्न एवं दर्शन देता है।
ड. २) सिखाता है।
इ. १) सामर्थ देता है।
फ. ३) सच्चाई प्रगट करता है।